राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

. दिनांक 24 मार्च, 1982

कमांक 202-ज(I)-82/10295.—पूर्वी पंजाव युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संकोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा '3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री धनीशाम धर्मा, पुल श्री शांत राम, नई आवादी, वराड़ा रेल्बे स्टेशन, सहसील व जिला अभ्वाला को रबी, 1977 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शंतों के अनुसार सहर्ष प्रदान किरते हैं।

दिनांक 29 मार्च, 1982

क्रमांक 119-ज(I)-82/16999.--श्री चुनी लाल, पुत्र श्री मिस्क, गांव झ्क, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ की दिनांक! 2 अप्रैल, 1980 को हुई निर्यु के परिणागरवर्ष हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाव युद्ध पुरस्कार अधिनियम; 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आंज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए श्री चुनी लाल को मुख्लिंग 300 स्पर्य सिषक की जागीर जो उसे पंजाव/हरियाणा सरकार की अधिस्चना क्रमांक 11581-जै०-एन०-III-65/10410, दिनांक, 10 दिसम्बर, 1965 तथा अधिस्चना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिनम्बर, 1970 तथा था. स. क्रमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 द्वारा मन्जूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमनी बुन्धा के नाम खरीफ, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क मांक 188-ज (I)-32/11003. —शौ मांगे राम, पुत्र श्रो श्योनाय, गांव बड़ेसरा, तहसील ववानीखेड़ा, जिला भिवानी, की दिनोक 28 जून, 1981 की हुई मृत्य के परिणामरदृष्ट्य हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध प्रस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रपानाया गया है और उसमें श्राजं तब संशोधन किया गया है) की घारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के श्रधीन प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए श्री मांगे राम को मुख्यिग 300 रुपये वाष्टिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना कमांक 2543-ज-1-73/29997, दिनौब 3 श्रवतूबर, 1973, तथा अधिसूचनी कमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 श्रवतूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, श्रव उसकी विद्या श्रीमती दड़कां के नाम रबी, 1982 से 300 रुपये वाष्टिक की दर से सनद में वी गई शर्ती के श्रन्तगंत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 405-ज(I)-82/11007 -- पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रिश्वित्यम, 1948 (जैमा कि उसे हरियाणा राज्य के स्पानाया गया है श्रीर उसमें श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए श्रिधकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री मंगत सिंह, पुत्र श्री फागा सिंह, गांव कोडवा खुर्व, तहसील नारावणगढ़, जिला अन्वाला को रवी, 1977 से खरीफ, 1979 तक 150 छपये वाधिक तथा रवी, 1980 से 300 इपये वाधिक कोमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सहवें प्रदान करते हैं।

क मोक 411-ज(I)-82/11013.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सीपे गए प्रधिकारों का अयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्रीमती श्रजोध्या रानी, विधवा श्री रमेश चन्द, निवासी 36-ए, रामनगर, श्रम्बाला, जिला श्रम्बाला, को रबी, 1978 से खरीफ, 1979 तक 150 रूपये वार्षिक तथा रखी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक को वार्षी युद्ध जागीर सनद में दी गई शती के अनुसार सहषे प्रदान करते हैं हैं।

दिनांक । ग्रप्रैल, 1982 -

क्रमांक 408-ज (I)-82/11798.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन विद्या गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंप गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री इकवाल सिंह मान, पुल श्री वहादर हैंसिंह मान, मकान नं. 48, ऐलिन रोड़, अम्बाला कैन्ट, जिला मम्बाला को रवी 1973 से खिरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।